अनुक्रम

आशीर्वचन — सात
प्रस्तावना — नौ
प्रस्तुति — ग्यारह

खण्ड-१

आचार्यो के काल का सक्षिप्त सिंहावलोकन — १—३४

अध्यात्म प्रधान भारत
जैन परम्परा और तीर्थंकर
वर्तमान जैन परम्परा और भगवान् महावीर
सघ व्यवस्था
महावीर सघ और उत्तरवर्ती आचार्य
काल विभाजन

आगम-युग — ५—१८
आचार्य सुधर्मा और जम्बू
श्रुतकेवली परम्परा
द्वादशवर्षीय दुष्काल और आगमवाचना
टूटती श्रुत-शृखला और आर्य स्थूलभद्र
दशपूर्वधर परम्परा और उल्लेखनीय प्रसग
आचार्य सुहस्ती और सम्राट् सम्प्रति
जैन धर्म और सम्राट् खारवेल
जैन शासन की प्रभावना मे विशिष्ट विद्यासम्पन्न आचार्यों का योग
पूर्वो की परम्परा का विच्छेद-क्रम
आगम विच्छेद-क्रम
आगमपरक साहित्य
अनुयोग व्यवस्था

परम्परा भेद का जन्म
स्कन्दिल और नागार्जुन
देवर्द्धिगणी क्षमाश्रमण और आगम वाचना
उत्कर्ष-युग १८—२३
न्याय युग का उद्भव
आचार्य सिद्धसेन
आचार्य समन्तभद्र
आचार्य अकलक भट्ट
न्याय युग की प्रतिष्ठा
योग और ध्यान के सन्दर्भ मे
प्राकृत व्याख्या ग्रन्थो का निर्माण
जैन साहित्य और सस्कृत भाषा
जैन साहित्य और लोक भाषा
जैनाचार्यों का शास्त्रार्थ कौशल
जैनाचार्य और जैन धर्म का विस्तार
नवीन-युग २३—३४
क्रान्ति का प्रथम चरण
क्रान्ति का द्वितीय चरण
क्रान्ति का तृतीय चरण
नवीन युग और जैनाचार्य
दशाश्रुतस्कन्ध स्थविरावली
वल्लभी युग-प्रधान पट्टावली
दुस्सम-काल-समण-सघत्थव 'युग प्रधान' पट्टावली

खण्ड-२

आगम युग के प्रभावक आचार्य ३५—४३२
अध्याय एक आगम युग
१ श्रमण सहस्राशु आचार्य सुधर्मा ३७
२ ज्योतिर्धाम आचार्य जम्बू ४१
३ परिव्राट्-पुगव आचार्य प्रभव ४७
४ श्रुत-शार्दूल आचार्य शय्यम्भव ५३
५ युग-प्रहरी आचार्य यशोभद्र ५८

६	सयम-सूर्य आचार्य सम्भूतविजय	६०
७	जिनशासन-शिरोमणि आचार्य भद्रबाहु	६८
८	तेजोमय नक्षत्र आचार्य स्थूलभद्र	७८
९	सद्गुण-रत्न-महोदधि आचार्य महागिरि	९२
१०	सद्धर्म-धुरीण आचार्य सुहस्ती	९८
११-१२	विश्वबन्धु आचार्य बलिस्सह और गुणसुन्दर	१०७
१३-१४	स्वाध्याय-प्रिय आचार्य सुस्थित और सुप्रतिबुद्ध	१०९
१५-१६	सत-श्रेष्ठ आचार्य श्याम और पाडिल्य	१११
१७-१९	मोक्ष-वीथि-पथिक आचार्य समुद्र, मगू, भद्रगुप्त	११४
२०	क्रान्ति चरण आचार्य कालक (द्वितीय)	११६
२१	महाविद्या-सिद्ध आचार्य खपुट	१२५
२२	पारस-पुरुष आचार्य पादलिप्त	१२९
२३	विलक्षण वाग्मी आचार्य वज्र स्वामी	१३७
२४	कीर्ति-निकुज आचार्य कुन्द-कुन्द	१५४
२५	अक्षयकोष आचार्य आर्य-रक्षित	१५७
२६	ध्यान योगी आचार्य दुर्वलिका पुष्यमित्र	१६६
२७	विवेक-दर्पण आचार्य वज्रसेन	१७१
२८	आलोक-कुटीर आचार्य अर्हद्बलि	१७४
२९.	दूरदर्शी आचार्य धरसेन	१७५
३०	लब्धगौरव आचार्य गुणधर	१७७
३१-३२	प्रबुद्धचेता आचार्य पुष्पदन्त एव भूतबलि	१७८
३३	अर्हन्नीति-उन्नायक आचार्य उमास्वाति	१८०
३४-३५	आगमपिटक आचार्य स्कन्दिल और नागार्जुन	१८३
३६	प्राज्ञप्रवर आचार्य विमल	१८७
३७	जैन सस्कृति-सरक्षक आचार्य देवर्द्धिगणी क्षमाश्रमण	१८९

अध्याय दो : उत्कर्ष युग

१	बोधिवृक्ष आचार्य वृद्धवादी	१९५
२	सरस्वती-कठाभरण आचार्य सिद्धसेन	१९८
३	महाप्राज्ञ आचार्य मल्लवादी	२०८
४	सस्कृत-सरोज सरोवर आचार्य समन्तभद्र	२१२
५	दिव्य विभूति आचार्य देवनन्दी (पूज्यपाद)	२१७
६	भवाब्धिपोत आचार्य भद्रबाहु द्वितीय (निर्युक्तिकार)	२२०
७	परमागमपारीण आचार्य जिनभद्रगणी क्षमाश्रमण	२२४
८	पुण्यश्लोक आचार्य पात्रस्वामी	२२७

९	मुक्ति-मन्दिर आचार्य मानतुग	२२८
१०	कोविद-कुलालकार आचार्य अकलक	२३१
११	चरित्र चिन्तामणि आचार्य जिनदास महत्तर	२३४
१२	अमेय मेधा के धनी आचार्य हरिभद्र	२३८
१३	वरिष्ठ विद्वान् आचार्य बप्पभट्टि	२५०
१४	उदात्त चिन्तक आचार्य उद्योतन (दाक्षिण्याक)	२५८
१५	विश्रुत व्यक्तित्व आचार्य वीरसेन	२५९
१६	जिनवाणी सगायक आचार्य जिनसेन	२६०
१७	वाग्मय-वारिधि आचार्य विद्यानन्द	२६२
१८	अध्यात्मनाद आचार्य अमृतचन्द्र	२६६
१९	सिद्धि-सोपान आचार्य सिद्धर्षि	२६८
२०	साहित्य-सुधाशु आचार्य शीलाक	२७५
२१	शास्त्रार्थ-निपुण सूराचार्य	२७७
२२	धर्मोद्योतक आचार्य उद्योतन	२८०
२३	स्वस्थ परम्परा-सपोषक आचार्य सोमदेव	२८१
२४	अमित प्रभावक आचार्य अमितगति	२८५
२५	महिमा-मकरन्द आचार्य माणिक्यनन्दि	२८७
२६	न्याय-निकेतन आचार्य अभयदेव	२८८
२७	शारदा-सूनु आचार्य वादिराज	२८९
२८	शिव-सुख-आलय आचार्य शान्ति	२९१
२९	प्रभापुज आचार्य प्रभाचन्द्र	२९३
३०	सिद्धान्त-चक्रवर्ती आचार्य नेमिचन्द्र	२९५
३१	जग-वत्सल आचार्य जिनेश्वर	२९६
३२	आस्था-आलम्बन आचार्य अभयदेव (नवागी टीकाकार)	२९८
३३	जनवल्लभ आचार्य जिनवल्लभ	३०४
३४	उर्जकिन्द्र आचार्य अभयदेव	३०६
३५	वर वर्चस्वी आचार्य वीर	३०७
३६	जनप्रिय आचार्य जिनदत्त	३०९
३७	नितान्त नवीन आचार्य नेमिचन्द्र	३११
३८	समाधि-सदन आचार्य शुभचन्द्र	३१३
३९	प्रेक्षापयोद (मल्लधारी) आचार्य हेमचन्द्र	३१५
४०	विद्वद्वैडूर्य आचार्य वादिदेव	३१७
४१	ज्ञानपीयूप पाथोधि आचार्य हेमचन्द्र	३२०
४२	मनीषा-मेरु आचार्य मलयगिरि	३२६

४३	चैत्य-पुरुष आचार्य जिनचन्द्र (मणिधारी)	३२८
४४	कवि-किरीट आचार्य रामचन्द्र	३३०
४५	उदारहृदय आचार्य उदयप्रभ	३३३
४६	प्रतिभा-प्रभाकर आचार्य रत्नप्रभ	३३५
४७	तप के मूर्त रूप आचार्य जगच्चन्द्र	३३७
४८	बौद्धिक-रत्न आचार्य रत्नाकर	३३९
४९	तत्त्व-निष्णात आचार्य देवेन्द्र	३४१
५०.	शब्द-शिल्पी आचार्य सोमप्रभ	३४२
५१	मति-मार्तण्ड आचार्य मल्लिषेण	३४३
५२	जन-जन हितैषी आचार्य जिनप्रभ	३४५
५३	कुशल शासक आचार्य जिनकुशल	३४७
५४	महामेधावी आचार्य मेरुतुग	३४८
५५	गुण-निधान आचार्य गुणरत्न	३४९
अध्याय तीन	नवीन युग	
१	वाचोयुक्ति-पटु आचार्य हीरविजय	३५३
२-३	वाद-कुशल आचार्य विजयसेन और विजयदेव	३५४
४	जिनधर्म प्रभावक आचार्य जिनचन्द्र	३५५
५	क्षमा-मुदिर आचार्य ऋषिलव	३५६
६	धर्मध्वज आचार्य धर्मसिंहजी	३५९
७	दृढप्रतिज्ञ आचार्य धर्मदासजी	३६०
८	प्रबल-प्रचारक आचार्य रघुनाथ	३६२
९	इन्द्रिय-जयी आचार्य जयमल्ल	३६३
१०	मगल प्रभात आचार्य भिक्षु	३६६
११	प्रज्ञा-प्रदीप आचार्य जय	३७१
१२	विद्या-विभाकर आचार्य विजयानन्द	३७४
१३	अज्ञान-तिमिरनाशक आचार्य अमोलक ऋषि	३७६
१४	चिन्मय चिराग आचार्य विजय राजेन्द्र	३७८
१५	करुणा-स्रोत आचार्य कृपाचन्द्र	३७९
१६	शास्त्र-विशारद आचार्य विजयधर्म	३८०
१७	विशद विचारक आचार्य विजयवल्लभ	३८१
१८	योग-साधक आचार्य बुद्धिसागर	३८२
१९	समता-सागर आचार्य सागरानन्द	३८३
२०	कमनीय कलाकार आचार्य कालूगणी	३८४
२१	प्रवचन-प्रवीण आचार्य जवाहर	३८७

२२ शान्ति-सुधाकर आचार्य विजयशान्ति ३८९
२३ शील-सिन्धु आचार्य शान्तिसागर ३९०
२४ श्रमनिष्ठ आचार्य घासीलाल ३९२
२५ प्रख्याति-प्राप्त आचार्य आत्मारामजी ३९३
२६ निर्भीक नायक आचार्य देशभूषण ३९५
२७ सौम्यस्वभावी आचार्य आनन्दऋषि ३९६
२८ अणुव्रत-अनुशास्ता युगप्रधान आचार्यश्री तुलसी ३९८
परिशिष्ट १. आचार्य और उनकी जीवनी के आधारभूत ग्रन्थ ४०५
परिशिष्ट २. प्रयुक्त ग्रन्थ विवरण ४१७